
Under CSR Support by
ipca Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
CLASS 11th
GEOGRAPHY
ARJUN
BATCH
जलवायु (Climate)
अध्याय-4 | भाग-3
मानसून जलवायु में एकरूपता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

जलवायु

→ किसी विस्तृत भू-भाग पर लम्बी समयावधि के दौरान विभिन्न वायुमण्डलीय दशाओं की औसत अवस्था को उस भू-भाग की जलवायु कहते हैं।

	भू-भाग	अवधि
जलवायु	विस्तृत	लम्बी → 50 वर्ष
मौसम	समिति	अल्प

→ जलवायु का अध्ययन → जलवायुविज्ञान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

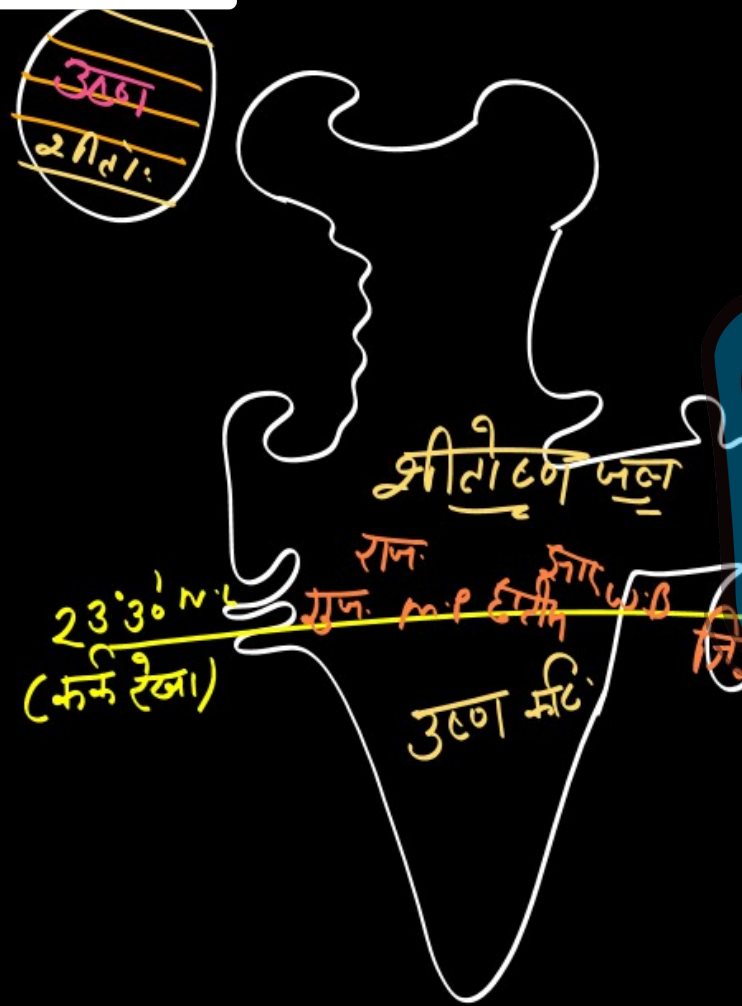

अक्षांश

कर्क रेखा पूर्व-पश्चिम दिशा में देश के मध्य भाग से गुजरती

उत्तरी भाग शीतोष्ण कटिबंध में है।

दक्षिणी भाग उष्ण कटिबंध में है।

"गुमरा बंगाली मिश्र छत झा"

गुजरात, M.P, राज., W.B, मिजोरम, त्रिपुरा, छत्तीस, झार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में जलवायु प्रभावित करने वाले कारक

(1) अक्षांशीय स्थिति
(2) हिमालय की स्थिति
(3) समुद्र तट से दूरी
(4) समुद्र तल से ऊँचाई
(5) उच्चावच
(6) जल व स्थल का वितरण।

भारत की जलवायु → उष्ण कटिबन्धीय मानसूनी जलवायु।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

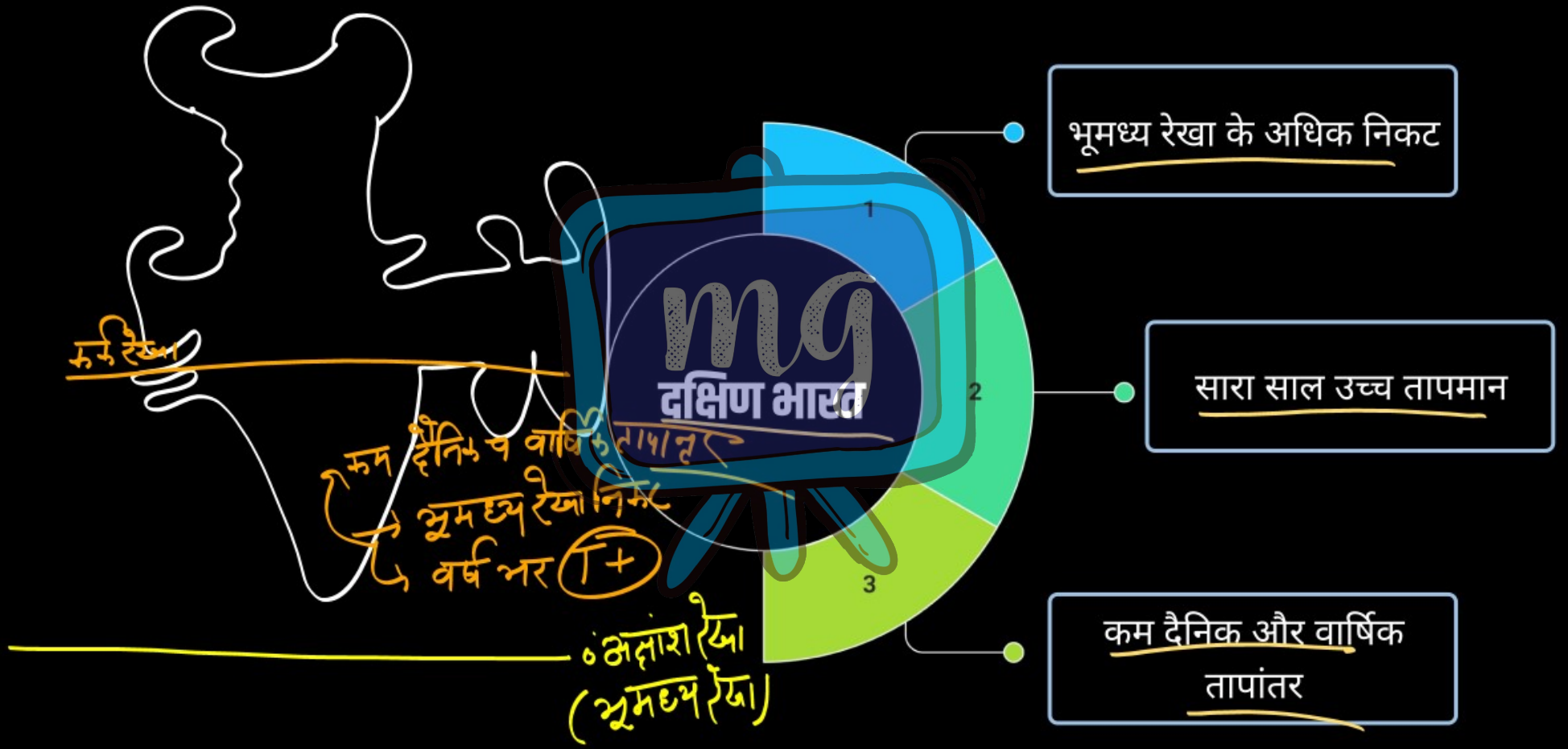

mg
दक्षिण भारत

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

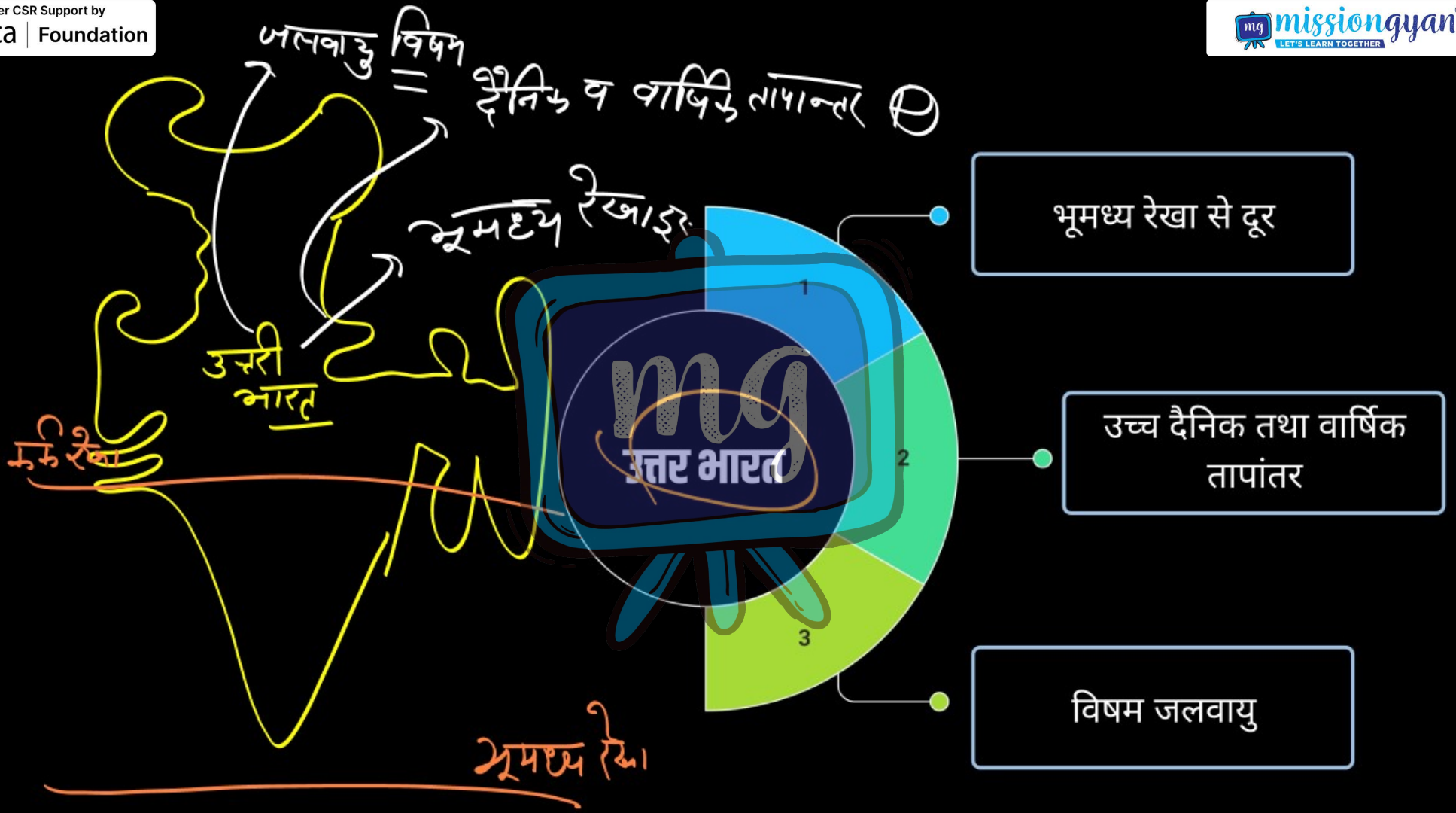

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

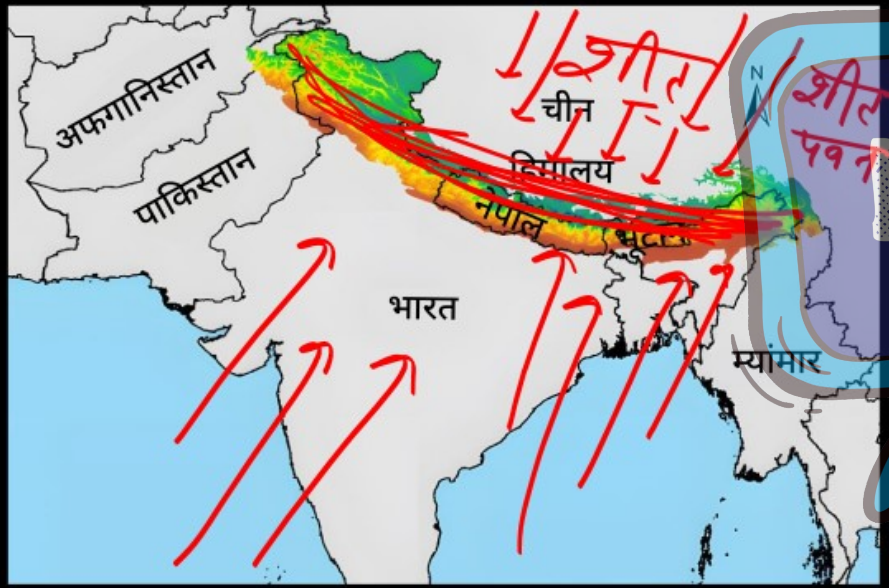

हिमालय पर्वत

- प्रभावी जलवायु विभाजक।
- अत्यधिक ठंडी पवनें उत्तरी ध्रुव के निकट उत्पन्न।
- मध्य तथा पूर्वी एशिया में आर-पार प्रवाहित।
- उपमहाद्वीप को उत्तरी पवनों से अभेद्य सुरक्षा प्रदान।
- मानसून पवनों को रोककर उपमहाद्वीप में वर्षा का कारण बनता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जल और स्थल का वितरण

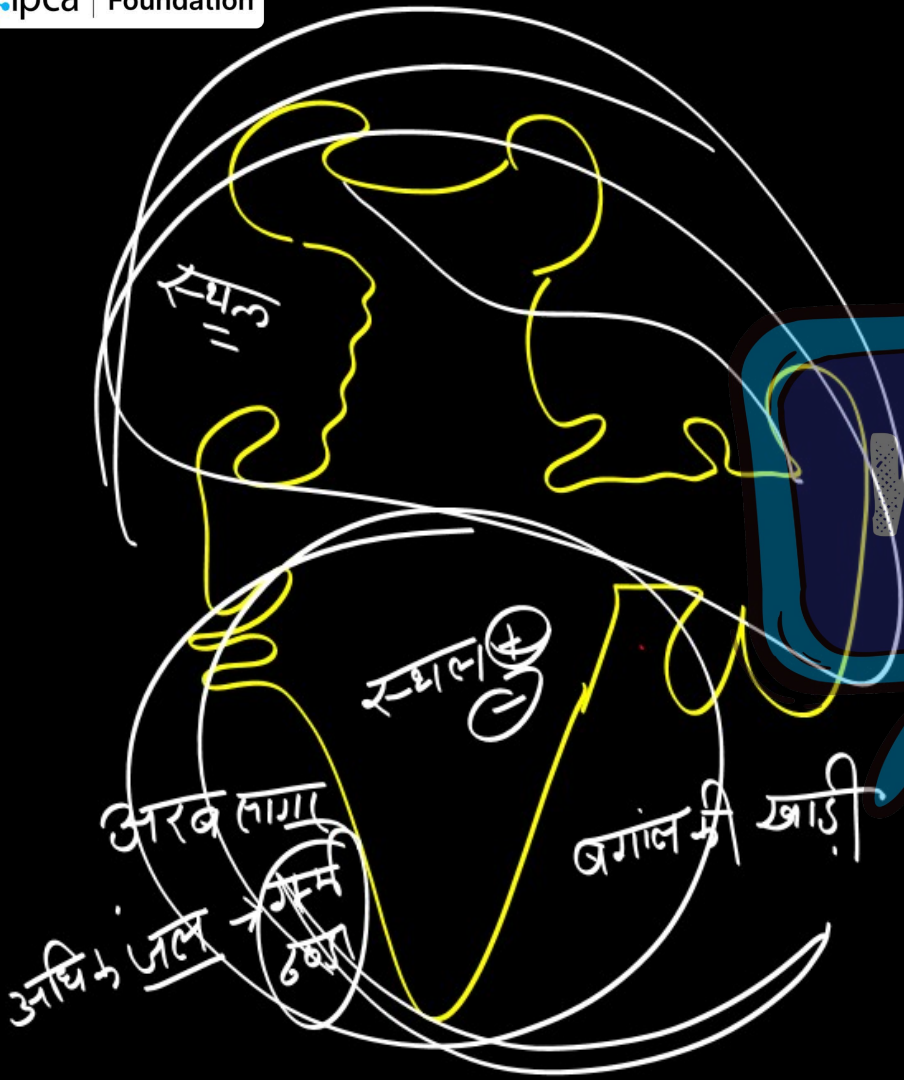

दक्षिण में तीन ओर हिंद महासागर

उत्तर की ओर ऊँची व अविच्छिन्न पर्वत श्रेणी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- स्थल की अपेक्षा जल देर से गर्म और देर से ठंडा
- विभिन्न ऋतुओं में विभिन्न वायुदाब प्रदेश विकसित
- वायुदाब में भिन्नता मानसून पवनों के उत्क्रमण का कारण बनती है।

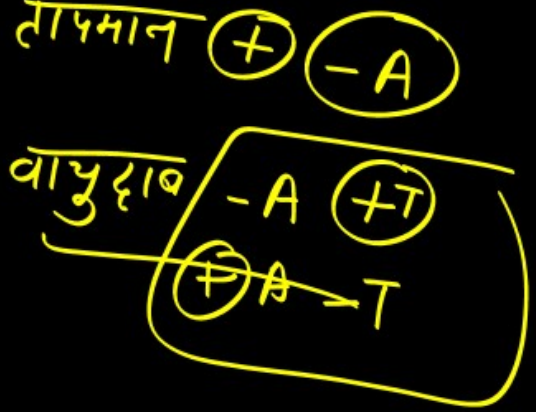

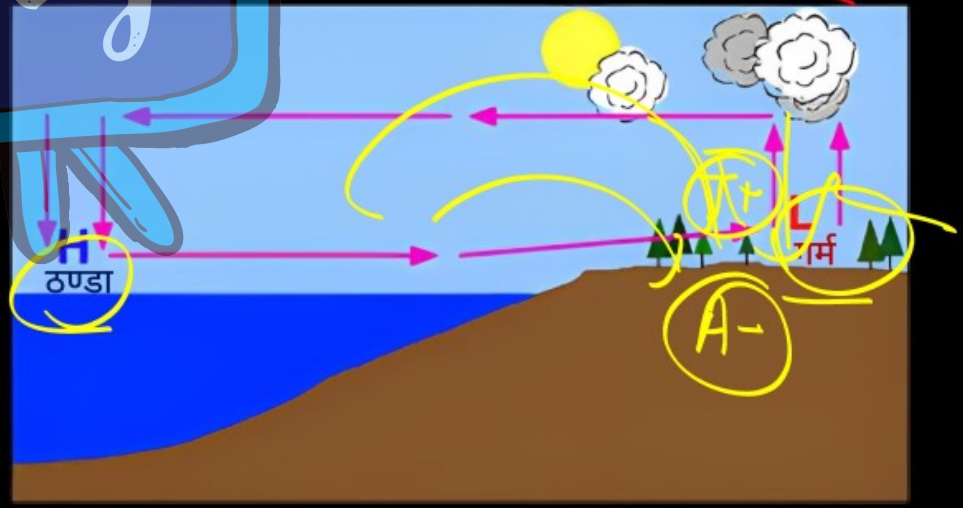

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

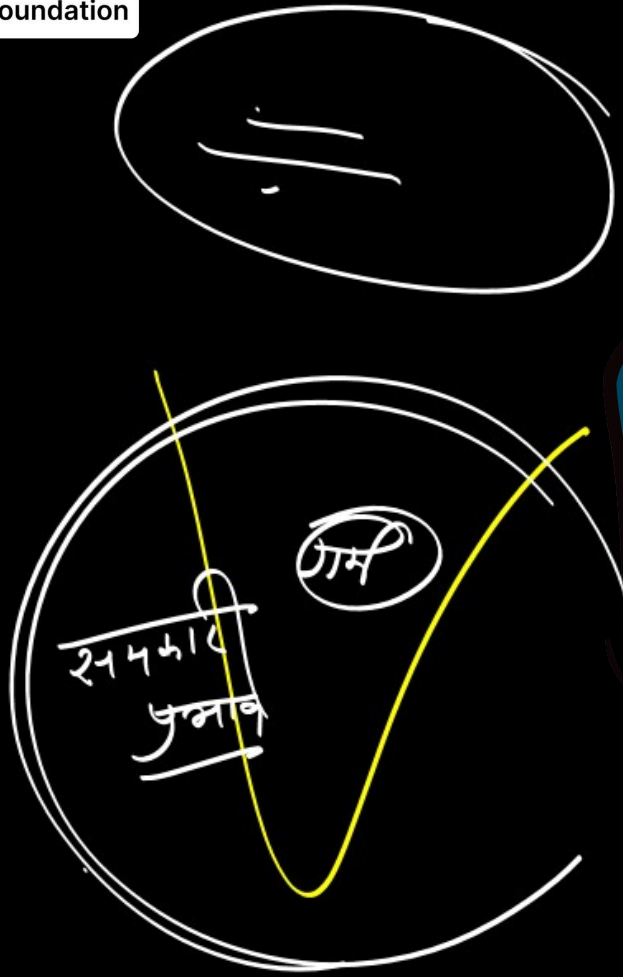

समुद्र तट से दूरी

- तटीय प्रदेशों में समकारी जलवायु
- अंदरूनी क्षेत्रों में विषम जलवायु

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- मुंबई तथा कोंकण तट पर तापमान की विषमता और ऋतु परिवर्तन का अनुभव नहीं
- दिल्ली, कानपुर और अमृतसर में मौसमी परिवर्तन



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समुद्र तल से ऊँचाई



- ऊँचाई के साथ तापमान घटता
- पर्वतीय प्रदेश मैदानों की तुलना में अधिक ठंडे
- **उदाहरण –**
  - आगरा और दार्जिलिंग एक ही अक्षांश पर स्थित
  - जनवरी में आगरा का तापमान 16°C जबकि दार्जिलिंग में 4°C

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उच्चावच

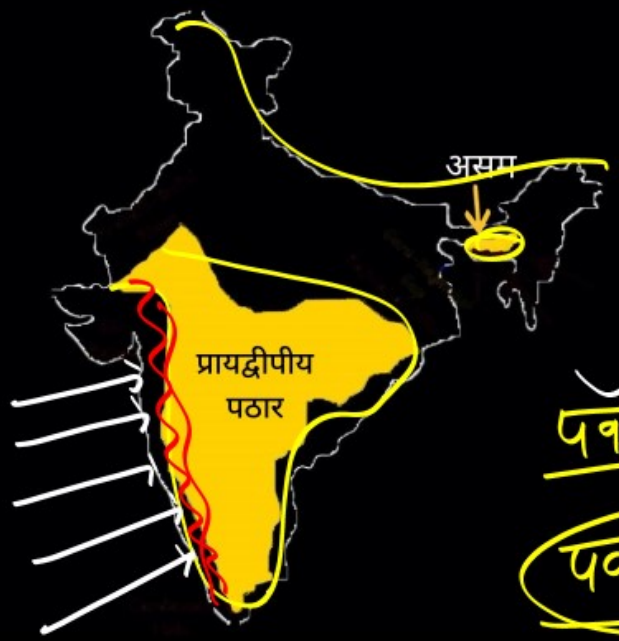

- तापमान, वायुदाब, पवनों की गति व दिशा तथा ढाल की मात्रा और वितरण प्रभावित
- उदाहरण – जून और जुलाई में
  - पश्चिमी घाट तथा असम के पवनाभिमुखी ढाल पर अधिक वर्षा
  - पश्चिमी घाट के पवनविमुखी पर कम वर्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जलवायु को प्रभावित करने वाले कारक-

1. अक्षांशीय स्थिति
2. हिमालय
3. स्थल व जल का वितरण
4. समुद्रतल से ऊँचाई
5. समुद्रतट से दूरी
6. उच्चावच

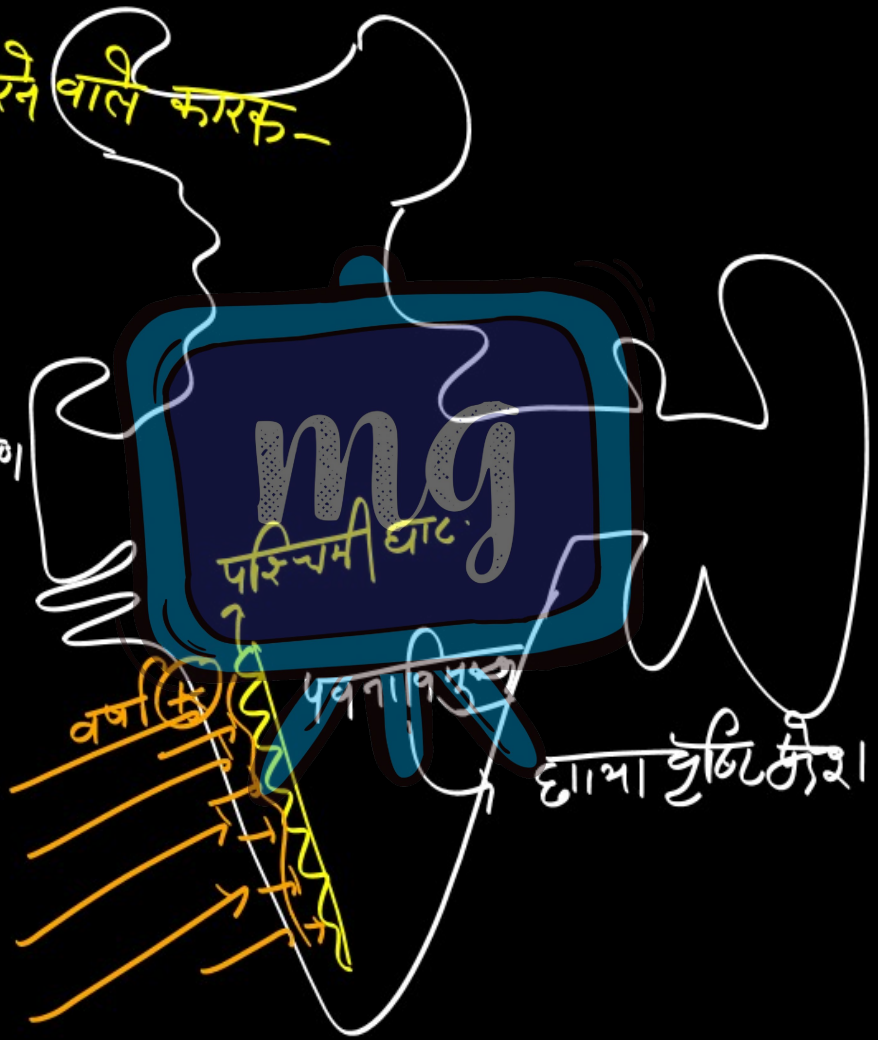

सामने

पवनाभिमुखी

पवनाविमुखी

विपरीत

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानसून → अरबी भाषा के मौसिम शब्द से बना।
↓
जिसका शाब्दिक अर्थ मौसमी पवने होता है।

भारतीय मानसून की प्रकृति

मानसून का अध्ययन क्षेत्रीय स्तर की बजाय भूमंडलीय स्तर पर

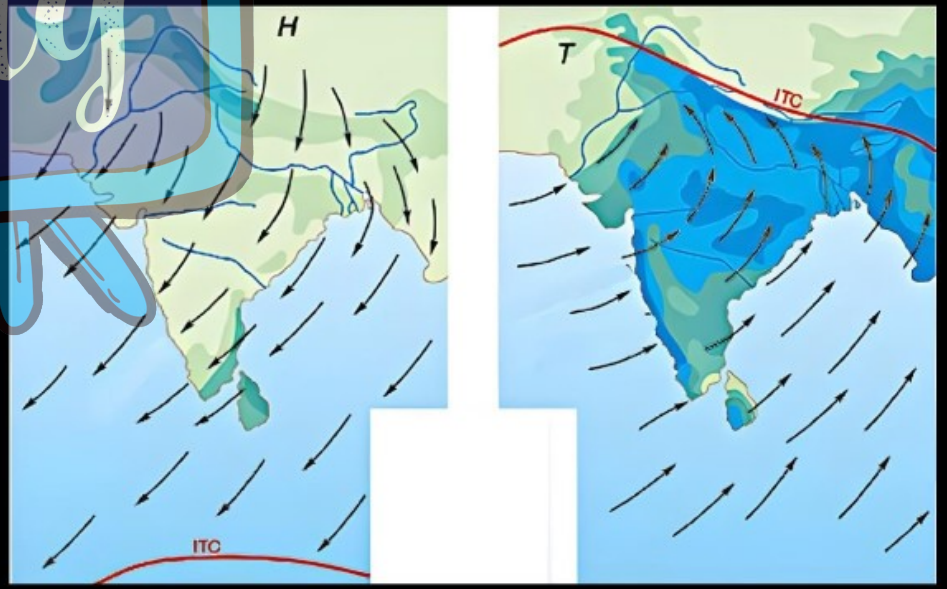

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानसून का आरंभ

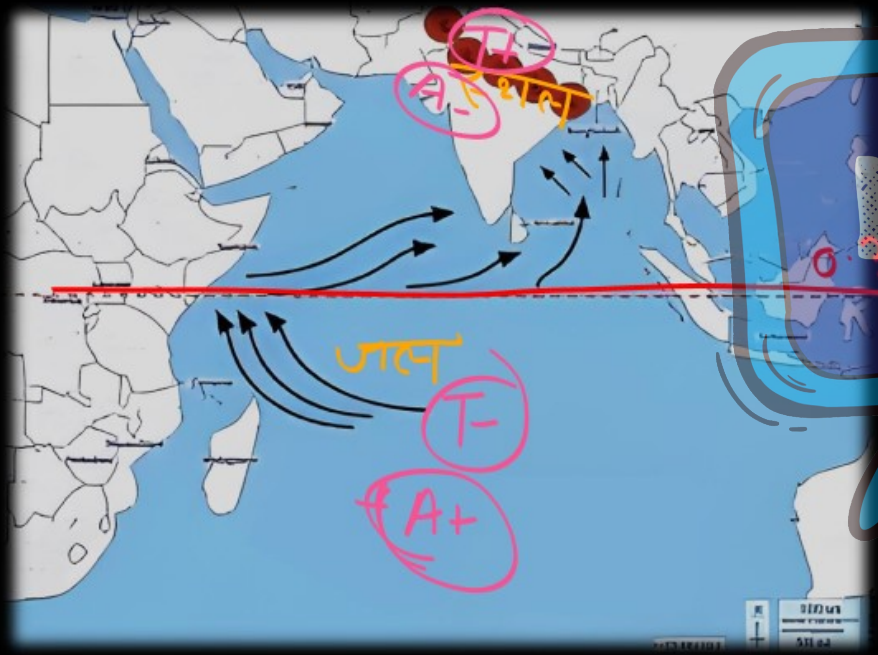

19वीं सदी के अंत में व्याख्या

- स्थल और समुद्र का विभेदी तापन ही मानसून पवनों के उपमहाद्वीप की ओर चलने के लिए मंच तैयार करता है।
- अप्रैल और मई में
  - सूर्य कर्क रेखा पर लम्बवत्
  - स्थल अत्यधिक गर्म
  - उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भाग पर एक गहन न्यून दाब क्षेत्र विकसित